

॥ वां कम च ॥ प्रार

श्रीगणेशाय नमः श्री कृष्णाय नमः रावो वै से

① उटोनी स्थानी ॥ वे लाल करुण ॥ सुखी ले

श्रेव सोनी ॥ काय के ले वी परी ल ॥ १५ चोत्रि हुनी

उडाली ॥ ये वोनी च वं ॥ वरी बे स ली ॥ प्र र वं ॥

सा उनी फुर वाळी ॥ सुर करानी या ॥ २॥ ल व वी

क्रम भेप साळे री ॥ नी हा यती आ ह्यारी ॥ ज

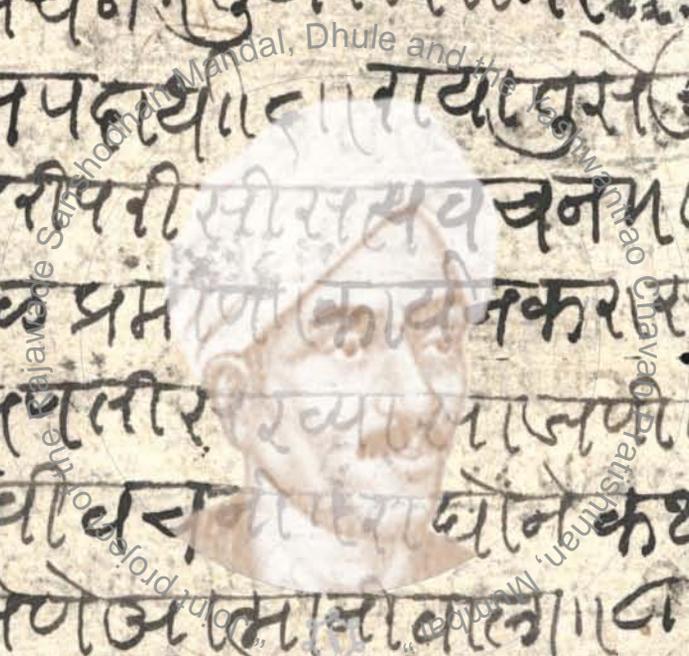
री का ही कथा सांगरी ॥ ल रो वे क क मे व ॥ ३॥

प ही ली रा वी याने सांगी ल ली कथा ॥ क मे थु

कजाहाकीप्रहरएकलगातुजरीआनुवाहता  
लरीवेकगमेला॥४॥रायापुबोलीलासीसप्रे  
मी॥अमीजासतोजयाचेओश्रीमधरी॥  
लेजरीसंगप्रगतीलस्यामी॥लरीकथासां  
गेन॥६॥लेहीधरीलेआलेमैन्यासंगेहैपे॥  
करीलीवचन॥तुजरीसांगरीक्रपाकराने  
लरीउलमपदथा॥६॥रायापुरेउलेसहोले  
समनालरीपरीसीसथवचन॥असनेवी  
रहीलेलीकप्रमाणेकार्यकरसर्वथा॥१॥  
यावरीभुवलीररव्यासाजपे॥वारीआ  
इनाह्यावीवचन॥राघोनेकथीलेउप  
वाणी॥लेणेअलाजावाला॥जातीनेधरी  
लाजासेअभ्रीमानहेही॥वेलाकसंचरेती  
चेहेही॥हाश्यकमनीलवलही॥सुपेसाग  
कथाउलमा॥६॥साळरवीरेखावोढीदोनी॥  
सुसपेबोलजेसुपुउनी॥कथीलीजालीउ  
जवाणी॥लेकथालेकांग॥१॥कांतीये  
नगरीकाजाकासीथेरो॥राज्यकरीया

७  
१॥

२०१



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

यत्कीवहीणी। कोणीयेकरायाची आरुखुरी।  
 ३ तीचेनावसुधेमलीम ११। सीच्या १३ तारासी  
 जाली देवगली। राज्यधेसलेआणीकान्ह  
 था पलीत आश्रयो कोहीनेदी। मगवधुज्व २॥  
 लीजली १२। सीच्या ललासक क वलला।  
 धाकटलीचापुत्रा। लयानावपेसुमलीम व  
 रुशेदाहाच १३। सुरवेअसेअमुचेधरी।  
 काहीचीला नकरीम हेपारलजालेपरी। पुच  
 देलासीकांही नववे १४। आसतातीवचे

३५ वीक्रमचम ३५।  
 धरीकायजली नवलीपरा। लेकेकावीचपुरीमआ  
 पुर्वीला १५। रय। चीकन। मालेली। तरुलक्षव  
 गुणवली। सीच्या अरुपाची नोमुली। दुसरीरलीजा  
 जा १६। कोणीयेकेहीवसी। रवेकला देखीलेस्ये  
 सी। बोलाउनीकुमारी। मांडीयेवरीवेसवीले।  
 १७। करानीमुरवचुवनक्षण। लेकमासेवचन।  
 लुवावीद्यापटना। करीलजेवेप्रतीहीनी १८।  
 बोलाउनीपंडीलसी। लोहोसीकवावेवाकी  
 केसी। बुधीप्रकारेसीसांगलजावे १९।

लेलीहाजा।। प्रली।। रा।। उकेजाले सुद मली।। राया।।  
 सी।। भे।। मालती।। सांगिल ले हो सांगयो।। २०।। हा  
 का।। शनीपंडी।। वीद्या।। सांग।। वी।। मालती।। सुम  
 ली।। भेदाभेद न करी।। क।। रा।। वा।। आ।। प्र।। रा।। २१।।  
 सा।। के।। ज।। ला।। सें।। ग।। डी।। हो।। चा।। ली।। प।। ड।। ली।। ग।। डी।। न  
 वी।। सं।। व।। ली।। ध।। डी।। ये।। क।। मे।। का।। पे।। २२।। उ।। टो।। नी।। या।। प्र।। भा  
 ली।। ग।। ये।। क।। मे।। का।। पा।। ध।। री।। ली।। प्र।। प।। च।। ल।। ज।। ल।। उ।। र।। स।। के  
 प्र।। ली।। उ।। र।। सी।। ज।। ल।। प।। डी।। ल।। को।। ली।। ल।। २३।। हो।। चा  
 ब।। र।। वी।। प।। ड।। ली।। मे।। वी।। वे।। ग।। क।। न।। हो।। य।। ल।। क।। व।। ने।। का।। की।।  
 वी।। द्या।। आ।। प्र।। रा।। स।। स।। क।। जो।। वा।। न।। हो।। ध।। ज।। न।। २४।।

॥ वी।। क।। म।। च।। प्र।। २५।।  
 हो।। धे।। हो।। ली।। मे।। क।। न।। म।। क।। न।। पर।। स्वर।। करी।। ली।। वी।। नो  
 हर।। की।। सु।। म।। ली।। हो।। यो।। वा।। ल।। न।। क।। री।। वी।। नो।। हो।। आ।। हा।। सो।।  
 ॥ २६।। उ।। ध।। वी।। नो।। दे।। करी।। सी।। ल।। नो।। का।। य।। भा।। र।। री।। त्री  
 हो।। सी।। ये।। रा।। ल।। ने।। द्र।। ठ।। व।। ध।। री।। सी।। ल।। नी।। लु।। री।। श्री  
 हो।। री।। ॥ २७।। या।। व।। री।। बो।। लें।। सु।। मं।। लु।। लें।। क।। या।। चा  
 व।। लें।। लु।। ये।। र।। वा।। द।। रा।। जा।। र।। मं।। थु।। लें।। थें।। लु।। ज।। दे।। री।। ॥ २८।।  
 लु।। र।। से।। आ।। से।। ध।। कु।। रे।। प।। न।। व।। ल।। वे।। पी।। ली।। या।। स  
 लु।। र।। व।। व।। च।। न।। जै।। लो।। करी।। ल।। प्र।। मा।। न।। ज।। न।। सु।। री।।  
 ॥ २९।। मी।। रा।। ली।। न।। ही।। न।। रा।। प।। लु।। ज।। प्र।। जी।। ल।। ये।। र।। वा।। द।। र।। प।।

म्याधरावाजांहालापा॥ हे पुर्वीचि वीं आरा को ॥ २९ ॥  
५ मालती हणे सुमला प्रली ॥ लुज वीर ही लज्जिल  
के पुरा राजा सलीप लेजाणा वेनी श्री ली बंधु  
४ ॥ संमंग ॥ ३० ॥ हे घे मारी भाकदान ॥ यदर्थ निठ  
करी अनुमान ॥ आपी लिखनु मना ॥ हानी धी  
रजाणा वा ॥ ३१ ॥ ऐको नीलयचे अनुसर वेचन ॥  
सुमली हणे माया ही नी धी ॥ जाणा ॥ लुज वेग  
ली जी लुकी सुदरी ॥ ले माले सधान ॥ ३२ ॥ ऐ  
सा दोघा जाला क्रोया नमा ॥ येक मेका जाती  
प्रेम ॥ को फी सीन के कचे वृमी ॥ ऐसे बहु लदीव  
सक मी लो ॥ ३३ ॥ नव कोणी येक दोनी ॥ राये हे  
५ रवी ली नंदी नी ॥ यो वन हन ॥ हे रवानी ॥ वी आ  
री ला जाला ॥ ३४ ॥ हणे मालती जाती उपवरा ॥  
यथा योग्य पाहावा वरा ॥ ऐसा यो जी ल ॥ न  
प वरा ॥ वी ला वी प्रधाना सी ॥ ३५ ॥ मालती जा  
ली वहा उजोगी ॥ न वरा वी चारा वा यथा यो  
गी ॥ आमा सम लु लु जे री ॥ की ली धी रा स  
याचा ॥ ३६ ॥ प्रधान हणे राजा धी राजा ॥ वर

वीच्यारकीनवोजामपाचावे दीजण। मुहुर्त  
 उलमवीच्यारीतो। ७७। लवमुहुर्तनीचाळात।  
 काळा। जाम्बिवा रहरतनी मका त्रयोदशी जा  
 लीया प्रातः काळा। जाम्हासोध्ययोग असे। ७८।  
 रीतुके दीजबो लला। राये प्रधानारपी नीरो  
 या। पदी धला। जाम्पुल्ला। स्वगृहासी जाला। सा  
 री अरोगपरिणी। ७९। लेनीसी कर्मली। पूर्वदी य।  
 रा। जळली। सुर्य उदया काळ। प्रयाण करीक  
 री लालाहाला। ८०। नीचाळा उलसी दीरोसी। हींड  
 लहीसगे लवक्ष परीसी। उनी भेडला रायासी।

येरा आली अदरे भेटला। ८१। करुनी रोडरा उपचा  
 री पुजा। नेमः सुतर। पुसेरा जाला। जालरी भाव बो  
 जा। सांगात्मण लअसे। ८२। प्रधानसांगे रीसा  
 ले। राजात्मणे येक आसे जामचा पुत्र। जरी तुला  
 री वारे हीलाथी। तरी मानसी जाणीजे। ८३। येरा  
 लणे जी बोलावा लरी ल। राये पार उनी पुरो हील।  
 घे उनी आला नृप सुल। जाली सुलक्षिण सुंदरा।  
 ८४। प्रधान लक्ष्मी लक्षणा। लवलोरव गुणस  
 पुणी। देखांनी आनदले मना। प्रधानाचे ८५।

नवराजालाची चारासी नीधारे परस्परेशंज  
 लीनक्षि चारसी दुलीसखण दोघासी घटीला  
 थनीवालो ॥ ४५ ॥ वैशारखतुधपंचमीसी लमध  
 नीलेनीधरि सीप्रकरानी शब्दनी श्रयसी प्रध  
 धाननीधता जाहाला ॥ ४६ ॥ जाला आपुल्या नग  
 रसी ॥ वृत्तांत सांगितला कासेरसी ॥ क्षणे  
 उलमनो वरा ब्रह्मपुरीसी राधाचा पुत्रा ॥ ४७ ॥  
 राजा आनंदलमान सी नीराप दीधला प्रधाना  
 सी ॥ केराकने स्थि सानो गोसी नकावावी  
 लका ४९ ॥ हे ऐकांनी बाला ॥ मालतीस सांगे सी

॥ वोकमचा प्राह  
 क्षणे लुसापण गेल यथा वरनी धरिता ब्रह्म  
 नीचा ॥ ४८ ॥ मालाला पुत्रालो तुवान धरा  
 वास वरायाले ॥ म्या हेह आपी लि लुलप हे जान्य  
 ला केवी घडला ॥ ४९ ॥ जे नरी लम सय वरा लो  
 येरी धरी धो ॥ न करी आव्यत्र वी चारा ॥ हे ठ हो  
 पुनी राहावे ॥ ५० ॥ इ लुका ये कांत केला ॥ पुढका  
 यवी वके घडला ॥ तो स्रंगी जे लवहीला ॥ कप ॥  
 करनीया ॥ ५१ ॥ सकळ सभे श्री केली उपय  
 लाम रायासी मळे पाटवी ली स मरला ॥ इष्ट मंत्रा

सकला लखलाप बोला कोला जाहाला ॥ ८४ ॥  
 उभारी लाय ह्म मडपा ॥ देशो देशीचे आलेक  
 ७ पाव वरुहाडमीवाले आमुपा ॥ वाजत्रीग जीमी  
 ७ ॥ ८५ ॥ राईराई नृत्यागना नचती ॥ याचकजु  
 ना नाहीमीती ॥ ब्राह्मण वेद मोती प्रिमाहातपी  
 राषे श्वरा ॥ ८६ ॥ लववरासुआले आसं रव्या ॥ र  
 थकुंजरा नाहीगीनेला ॥ पासेभापनाहीमीत्या  
 वाजतरीगानगजी ॥ पुल्लुतेनगर वाह्ये  
 प्रदेशी ॥ युककेकेकेकारेश्वरासी ॥ राजनी  
 च्चल्लुकेनेगी ॥ सेयसीयेजीया ॥ ८७ ॥ जालीसे  
 वलीरारववत ॥ व पुल्या करीनुपनाथ ॥ नगर  
 वेराते नृपलरीत्या ॥ जालवसादीधली ॥ ८८ ॥ क  
 मीलीलेनीसी ॥ देवकस्थापनादुसरेदीवसी  
 ऐसेलिंगनीधरिसी ॥ रात्रीधटीकासाळा ॥ ८९ ॥  
 ४५ जालारसंयकाळा ॥ राजनीधाळावरासीमुळा  
 नरनारीसकला ॥ मीव्वाननीधाळ्मा ॥ ९० ॥  
 नवरीगैरीहारीबैसवीली ॥ घरचीआवधीनी  
 इरसजाली ॥ माललीकायकरीलतयेवेळी ॥



७५१ ॥ पयोनीनीधाला ॥ राज्यमं दीरो प्रवेशकेला ॥ गौ  
 नी हाराचा हास्ये लला ॥ लेशुनीनीधाला पवनयेगी ॥  
 १॥ ७५१ ॥ लववलीला लेथकयवीआरा ॥ आं ब्रसा  
 २ ॥ डीहोला लरकरा ॥ तेने ऐकीला राब्धगजरा ॥ ७५२  
 लरनीजाता आश्राजवकी ॥ ७५३ ॥ आश्रितक  
 रेदेरपीला ॥ कानमेदा गुनी हिशकला ॥ लवल  
 रकरे हुकारकेला ॥ येरीक्षण वैसवहीला ॥ आ  
 पणामागे ॥ ७५४ ॥ रात्रपडकी काळवरीगको  
 णीको फडासे नकेले रवली ॥ आणी मांडलीये  
 लांगरीके ॥ ७५५ ॥ यथचरसीगा ॥ ७५६ ॥

७५७ ॥ वासजावसेपथनराती ॥ वीक्रमेचा प्रा ९  
 लवजापण उदयचे ॥ हरहरकडे उलधीती ॥  
 टी ॥ ७५८ ॥ नानापरीये वीहंगम ॥ परस्परवाल  
 ली उलमा ॥ तो ऐकोनी जानुक्रम ॥ मालसीवाले  
 लरकरासी ॥ ७५९ ॥ बोलेभर ॥ एसे संकती ॥ ल  
 वलरकरासी नंककेले मली ॥ लेशुनीनीजाव  
 लोकीली ॥ फीरोनीयावदनपाहत्यांचे ॥ ७६० ॥  
 लवजाविलेकी वदना ॥ लवने देखेनासीकक  
 णीयेकहास्यकेला ॥ आसे देदना ॥ मणगर

(1)

१०

(11)

पारसो नीया ॥ ७८ ॥ हीरो क कट काळा ॥ जी  
 वधो र कंटाळला ॥ जरो का ही करुका चाळा ॥  
 लरी हा जीवे मारील ॥ ७९ ॥ जीवो धरो नीया हूठ  
 भावा ल्या सी का ही करा वा पुपाय ॥ जेणे लुटे सम १०  
 ध भा वय लस्करा चा ॥ ८० ॥ उद्यो जाल्हा दि न  
 करा सी ॥ पुढे हे रवी ले न गारा सी ॥ चोर स्या म्हा  
 लली सी ॥ ये न गरी न्ना म्हा यती ० र्ना से ॥ ८१ ॥ च  
 ह्य म्हा मु च्य ॥ ही रा सी ॥ सुरवे म्हा लवी म्हा मु च्य  
 धर च म्हा रा सी ॥ म्हा लवी म्हा लस्करा सी ते क मा  
 से व च न ॥ ८२ ॥ जी व स ॥ ही न गरी जि जा सी ल ॥  
 का ज हु त हे र्य ती ल ॥ ये का हा ज न थ ही री कि ॥ म  
 गने ती ल ही रो बी ॥ ८३ ॥ लु पा य सी ल व ध न ॥  
 आ ही क न ॥ पर त्र जा णि म्हा से भा ग्य ग ह न ॥ लु  
 ज स ॥ री र वान म्हा के ला ॥ ८४ ॥ ते म न व ले ल स्क  
 रा सी ॥ ह्मणे चाल जा पु पे ल रान म क या सी ॥ क  
 मु नी या दी व सा सी ॥ र्वा र्कां की न ग रा सी ये  
 जा मु ॥ ८५ ॥ म की य चि रो व टी ॥ उ ल र ली वा पी चि  
 का री ॥ वा र्वा ध लानी क टी ॥ व्हा सी परी ये स म्हा  
 ॥ ८६ ॥ का र्ठी ल्मा सु व ण च्या मो क्हा ॥ त्या दी ध

लपल स्फुरा चैकरीम जलुनीयानगराभितरीप  
 12 अण्णिरामोग्रीरचयपाकाचीम ८१॥ लोनीधा  
 लालवरीली। गेलानगराप्रसीम सामा श्रीघोवली  
 संमस्तीम। श्वरदुकांजीम ८८॥ युकीऐफामा  
 3 ललीचीम। अवगणीकेडीलीश्रीयणाचीम ८९॥  
 यस्त्रहोतीसुमंलीचीम लकरीपरीधानम ९०॥  
 आरुटेहोउनीवा। वरी। जालसेवायोच्यपरीप  
 लधीलीगीसीकेदीरीम च्यवुरेरालयोजने ९०॥  
 मगधेउनीसामोगोले। लकस अलालेथेप  
 लवनदेखम लली अण्णिसामे। दरवेदेहधरणीवरी

बौक्रमचम प्रम ९

12 टाकलो ९१॥ मणे जाहवाखटेजाले। केसेनी  
 धानहालोचेंगळ। आपने होलेसाधीके। मज  
 नदे वासकेसेजीरेली ९२॥ मुक्कामाळामक  
 टासीम। मीहणनभोजनगंधवसिरी ॥ रत्नदीप  
 उजलीलाजां धापासीम। वहीरासी प्राप्ती  
 केची हारीकथा ॥ ९३॥ सुरवसिरी सांगील  
 तारासत्रप्रसंग ॥ लयांसीनकके ह्याचामा  
 गी। ले सामी आभाग्यभोग ॥ केवीपवे सुरहा ॥  
 ॥ ९४॥ मणवेनी जालावीतनागीम वरत्रेकली

कां ज्ये रंगिगालागलायकमंगिगीलीथक्षेत्र  
 हीं उलसा एधार्कि डेवरा आरुठमालती  
 (13) जालसेमतीवीगुती एपुठ केसीवतलीरथी  
 ती ॥ तैकैकगारायावीक्रामा ॥ एध उलमस  
 मोवरीराया ॥ तैथेआसेमानभाव ॥ तयाचा  
 पुनलाआयादिव ॥ पावलासृव्यते ॥ ए ॥ तया  
 सीशीश्यदोक्षेजण ॥ करी तीसमाद्योवीस  
 जनि ॥ गुरासीपा पुननीजस्थाना ॥ कायकरी  
 तेजालेक ॥ १८ ॥ एरुतया आसलीलीनव

॥ चोक्रुतचम प्रा ॥ ९  
 रत्ना ॥ त्यानयेलोवावीतण लणवानीकरीतीवेवा  
 दकथा ॥ तयमगविडा ॥ पारयेलादेरवीला ॥ १९  
 (14) लणेलीपेलथेलेआरुचाराठनर ॥ तयासीसा  
 गहावेव्हास ॥ लोसांगोलवीच्यर ॥ लोआगीका  
 वेदोखेजण ॥ १०० ॥ लोआ लोसनीपता ॥ सांगी  
 सलीआवधीसमुळकथा ॥ स्वर लणेकोरेआ  
 सलीवरसा ॥ त्यामजप्रतीदारवधाजरी ॥ १०१ ॥  
 येराआणीहरिल ॥ पादुकाआणीपत्र ॥ तीसरि  
 कथा ॥ वीचीत्रपाहोनीहणेसांगायथार्थि ॥ १०२ ॥

दोघे लणलीले कागा वचन ॥ याचे शो उरु गुप चारे  
करावे पुजन ॥ पात्रे रा उर स पक्काने प्रसव लजाणा ॥  
॥१०३॥ कंधा हे का कन का सी ॥ करी द्वय र हा चा  
रा सी ॥ पादु काने ती ची ल आया या सी ॥ न ल ग ला  
१३॥ पवन वे गु ॥ १०४ ॥ या स आ स ये क प्र मा ण ॥ ज री क  
राल दोघे जण ॥ ले धरी लया चे चरण ॥ स करी क  
री आ वने सी ॥ १०५ ॥ धार के ले आ नु मान ॥ वृक्ष ल  
दृष्टी ल को स प्र मा ण ॥ आ धी जे ये रिल सी वी न ॥  
या ने दो न वे र ता दे रिल ॥ १०६ ॥ वस्तु ते उ नी लया ज  
व जी ॥ दो घे ज ष्ठी शि व च ल ती ॥ मी कार वा ले जे गे  
ले ॥ ल व का य करे दो न रा ॥ १०७ ॥ वस्तु धे नु  
नी स ल री ॥ आ र ल ल आ धा री ॥ ल घु नी गे ला  
दर पंच यो जे नो ॥ १०८ ॥ जे व लो जालो जाली  
श्रम ॥ परी न सां जी ली परा क्रम ॥ री पु नी या दे म ॥ ये  
का मा गे ये क पर त ले ॥ १०९ ॥ वे गे जाले त्या य या  
सी ॥ न दे र व ली व र ता आ णी धो डे र चा रा सी ॥ न  
ण ली ट क वी ले दो घा ज ण सी ॥ आ व लो की ली द  
ही दी रा ॥ ११० ॥ ल ण ली आ ह्मा दो घा सी पा ड ल ॥  
ली रं स ही या सी लो जाले आव ची ला ॥ नी ल

(M)

१३

१३

(148)

15

बोलती वेदाथि लिये थार्थि घडले जाहासी ॥ १११ ॥  
 समुद्र मथुनी देवे जाणी देसो । लक्ष्मी कारणे हो  
 ले सेवे वा दत्त ॥ सेरवी को फासी नके प्राप्त ॥ वीष्णु  
 लया सीधे जुनी गेला ॥ ११२ ॥ रामा आणि रावणा ॥ हो  
 घासंग्राम जाले दारणा ॥ सेवटी लकापती वीभी  
 राणा ॥ चीत्र वी चीत्र हो जुनी राहीले ॥ ११३ ॥ ऐसे १४  
 जाहासी जाले । रत्न लिंग जा आहाता सी गेले ॥  
 ले स्थळ लागी ले जातो । दोघे गेले दोही दिशा ॥ ११४ ॥  
 रातये तसे मनो वेगो ॥ पाहे पुढे मणि ॥ पुढे देखीले  
 प्रसंगो ॥ भी वस्थान लमव प्रथा ॥

१४

१४

15

॥ वीक्रम चा प्राण  
 लेथे नाथे कर स्थी रयला ॥ सीवा सी प्रणी पातके  
 ला ॥ लय सारिके जाले ॥ लेथे क्रमीली नीरणी ॥  
 ११५ ॥ उदयो जाले दीरु कर्मा ॥ प्रयाण करानी चा  
 लोला ॥ पुढे नगर देखीले ॥ लेथे अपुर्य वतले ॥  
 ११६ ॥ लेथी लशंजा युस्यणी ॥ लोमहृत्प पावलां द्व  
 कणी ॥ राज्या सोनाही कोणी धणी ॥ बंधु अबंध  
 वा पुत्रा ॥ ११७ ॥ प्रधान केले कीया कमी ॥ जो जो  
 बौली ला होला धमी ॥ लोला करानी ने नु ॥ सगदी  
 सी पाववी ला ॥ ११८ ॥ प्रधान य लुथमी कानी ॥  
 यचिकरीली येक वे सोनी ॥ क्षण ली राज्या सी

केलापाही जे धणीपलो प्रकारची चारावाण  
 ॥१२०॥ जेष्टमंती बोलवचन ॥ मजसुचतसे येक  
 इनाना ॥ श्रीशिवत्रये वचन ॥ रासीमुखी हु  
 धनीके किले जासे ॥१२१॥ हारसीणीची पुजा कमा  
 की ॥ श्रीगंगानी वरवी ॥ पुस्पमाळा मुख्यादी ॥ १२१  
 ते ही उंवावी नगरा ॥१२२॥ येरलतीच्या जोतसी  
 माळघाली लजया ॥ लोकी धणीराज्य ॥ १२३  
 सत्यजाणीवी ॥१२४॥ ते मानले जावधीया लो ॥ ल  
 लक्षणी आपवीले हारसीणी ॥ पुजेनीय ॥ लयेणे  
 पुस्पमाळा दीधकी ॥ १२४ ॥ गुगलवाजतरा

॥ श्रीमया ॥ प्र ॥ ९  
 चागाजर ॥ पाटीर ॥ चळदळ ॥ १२५ ॥ अस्तमा  
 नावरीधा ॥ लोकेनी नगरा ॥ १२५ ॥ तेसी  
 रीधकरानी नगरजनी ॥ लोके लुगडीलेणी ॥  
 माळघाली ॥ हारसीणी ॥ लोणेनी धावलीयेक  
 पुढे येक ॥१२६॥ तेसीनी नदी वसहीडली ॥ मा  
 लको फारसी नद्याली गचयथा ॥ दीवलबाहे  
 रनीधाली ॥ लवमाळली येदे रवे समेरा ॥१२७॥  
 दोषासी जाळी नगरद्वारी ॥ भेरी ॥ माळघाली  
 अथारठा कंठी ॥ उचलुनी बेंसवीली पुडी ॥

मुर उलीनगरालग १२८। वाजलरीगगनगजिता

मत्रीजननायपुरता। सुमलराजल्लपेला। वा

१७। जकील्ल्या। दुंधुगीपेरी। १२९। सीकोसनीबैस

१६। वेनी। पटाभीराककेला। मुनीजनी। नमस्का

रकेला। मुकीळनी। पक्षपलाराजादीसलोपुपप १६।

रायण। १३०। नगरीपीरलाडंगोरा। सुमलराया

चीआइना। धारा। दानधर्मकेला। अपर। या

चकजन। सौपप ३१। अतराकररचनेसावधा

नाकील्ल्या। कलेफेवीकीररुणा। सवदीनजाला

आस्तमाना। सभावीसजनेकेलेम १३२। कमीळी

लेनीसी। दुदयो। जलादीनकमीसी। मत्रीआ

१३। लेपरीवारसी। करीलीरुगगनमरक। १३३

राजावीचारीमनी। सुमलसीकेसीफरापी

शोधणी। लचआएवलेमानसी। लेआपुवपी

रीयेसा। १३४। ल्लेकेरावेअनंदान। सुस्वीक

रावेवचना। अण्णिधउल्लब्राह्मणसंतर्पण। लेपु

प्यआगाधआसे। १३५। रसंगेप्रधानासी।

घालावेआनंछत्रासी। जेउधालुनीलयारी।

वीडीयारसी जापणारसी जाणावे ॥ १३६ ॥

लडिल फडी जोगी ॥ जंगम जाथ वाम लंगी ॥

महलमहा ले भेटले मागी गिली लुका ही जाणा  
वा ॥ १३७ ॥ ॥ जामचो हे रावे थवरी गते थरे वा

वे मे र करी ॥ ते हे विरुनी जाणा वे नी धरि ॥

११ ॥ आनंद ७ त्रासी प्र १३७ ॥ ॥ जे उद्ये जाणारसी से ॥ आ

नंद ७ त्र ची निमा लो ॥ जे उद्ये लुनी संतो पे ॥ ११ ॥

वी उदे नृ पवरा ॥ १३८ ॥ ॥ इ लुके ते थे वल लो ॥ ती

के उद्ये रसी काय जा लो ल सांग वही लो हारी दास

नामा ॥ १४० ॥ ॥ ३ ॥ १ समा लक्ष्मी क्रम जापि मरु ॥



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com